17. चित्र-वर्णन

चित्र देखकर यह बताना कि उसमें क्या-क्या हो रहा है, चित्र वर्णन कहलाता है। यह बहुत सरल विधा है जिसे बच्चे बड़ी रोचकता से लिखते हैं। चित्र वर्णन से बच्चों की अवलोकन तथा लेखन क्षमता विकसित होती है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका पाठ पृष्ठ पर दिए चित्र को दिखाकर बच्चों से उसके बारे में बातचीत करें।
- ❖ पूछें, इस चित्र में क्या-क्या हो रहा है। बच्चों के बताने के उपरांत पृष्ठ 72-73 पर दिया चित्र वर्णन पढ़वाएँ।
- ❖ चित्र-वर्णन का थोड़ा-थोड़ा अंश सभी बच्चों से पढ़ने को कहें। बच्चों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।
- ❖ अभ्यास के लिए दिए दृश्यों या चित्रों को दिखाकर बच्चों से जानें, वह चित्र कहाँ का दृश्य है तथा चित्र में कौन-क्या कर रहा है अथवा चित्र में क्या हो रहा है आदि।
- ❖ प्रत्येक बच्चे को बोलने यानी अभिव्यक्ति का यथोचित अवसर तथा समय दें।
- ❖ बच्चों द्वारा बोले गए वाक्यों को आठ-दस पंक्तियों में लिखने को कहें।
- ❖ पाठ की रोचकता बनाए रखने के लिए बच्चों से बीच-बीच में बात करते रहें, जैसे– जब वे पिकनिक पर जाते हैं या किसी मॉल में तो वहाँ क्या-क्या करते या देखते हैं।
- ❖ सुनिश्चित करें कि बच्चे चित्र वर्णन करना भली-भाँति सीख गए हैं।